भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1292

उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 08 दिसंबर, 2025

17 अग्रहायण,1947 (शक)

अमरोहा में विरासत और कला का संरक्षण और संवर्धन

1292. **श्री कंवर सिंह तंवर** :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का यह मानना है कि स्थानीय समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग से उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में विरासत और कला के प्रलेखीकरण, संरक्षण और संवर्धन में सुधार होगा;

(ख) यदि हां, तो उक्त जिले में किए गए सहयोग, शुरू की गई परियोजनाओं और प्राप्त परिणामों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख) : राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) पुरावशेषों और असंरक्षित स्मारकों (मूर्त धरोहरों और स्थलों) का दस्तावेजीकरण करता है और इस कार्य में तीव्रता लाने के लिए यह प्रत्येक राज्य में मंडलों/क्षेत्रीय कार्यालयों और राज्य स्तरीय कार्यान्वयन समितियों (एसएलआईसी) के साथ समन्वय करते हुए इसमें व्यक्तियों, गैर-सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों और अन्य संगत संगठनों को भी शामिल करता है।

राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन, संवर्धन के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है और साथ ही साथ जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी कर रहा है। तथापि, वर्तमान समय में अमरोहा जिले में कोई विशेष परियोजना शुरू नहीं की जा रही है परन्तु राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन की ये गतिविधियाँ उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में लागू हैं। अब तक, राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन ने 12,46,211 पुरावशेषों और 11,406 असुरक्षित स्मारकों (मूर्त धरोहर और स्थलों) का डिजिटलीकरण किया है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता है।

*****